



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 283]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 28, 2006/आषाढ़ 7, 1928

No. 283]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 28, 2006/ASADHA 7, 1928

पोत परिवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

(पोत परिवहन विभाग)

(पत्तन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जून, 2006

MINISTRY OF SHIPPING, ROAD TRANSPORT
AND HIGHWAYS

(Department of Shipping)

(PORTS WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 2006

सा.का.नि. 385(अ).—भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 के अधिनियम सं. 15) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त अधिकार प्रयुक्त करके, केन्द्रीय सरकार, जलयानों का पत्तनों में प्रवेश विनियमित करने की दृष्टि से, दिनांक 20-9-2005 की अधिसूचना सं. सा.का.नि. 600(अ) में एतद्वारा, निम्नलिखित संशोधन करती है। उपर्युक्त अधिसूचना के पैरा 2(ii) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाता है :—

(ii) तेल के रिसाव अथवा किन्हीं जेखिम भरे और अनिष्टकर पदार्थों से हुए प्रदूषण से होने वाला नुकसान;

“संरक्षण और क्षतिपूर्ति-क्लबों के किसी अंतर्राष्ट्रीय दल के किसी सदस्य के रूप में किसी संरक्षण और क्षतिपूर्ति-क्लब; अथवा किसी भारतीय बीमा कम्पनी या एक क्लब या केन्द्रीय सरकार द्वारा विधिवत् अनुमोदित बीमा कम्पनी से”।

उपर्युक्त संशोधन तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

[फा. सं. पी टी-11024/5/2003-पी टी]

अजय कुमार भल्ला, संयुक्त सचिव

G.S.R. 385(E).—In exercise of powers conferred by Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby amends the notification No. G.S.R. 600(E) dated 20-9-2005 to regulate the entry of vessels into ports. Para 2(ii) of the above notification is substituted with the following :—

(ii) Pollution damage caused by spillage of oil or any hazardous and noxious substances;

“From a Protection and Indemnity Club which is a member of an International Group of Protection and Indemnity Clubs; or any Indian Insurance Company or a Club or an Insurance Company approved by the Central Government”.

The amendment comes into force with immediate effect.

[F. No. PT-11024/5/2003-PT]

A. K. BHALLA, Jt. Secy.